हल्द्वानी (नैनीताल) एवं देहरादून से एक साथ प्रकाशित

समाचारों को विस्तार से व तत्काल पढ़ने के लिए क्लिक करें

Web:- www.jokhimnews.com

सूचना एवं लोकसम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड में "A" श्रेणी में सूचीबद्ध

जोखिम

भय भूख एवम् भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्षरत् निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

वर्ष : 16 अंक : 94 | हल्द्वानी (नैनीताल) शनिवार 14 फरवरी 2026 | मूल्य रू 2 | पृष्ठ : 8

खाद्य सुरक्षा प्रवर्तन टीम के साथ रामनगर में चौकिंग अभियान चलाया

रामनगर संवाददाता. आगामी त्यौहार होली एवं रमजान को लेकर आम जनमानस को सुरक्षित एवं गुणवत्तायुक्त खाद्य एवं पेय पदार्थों की उपलब्धता सुनिश्चित किये जाने को लेकर खाद्य पदार्थों में मिलावट की प्रभावी रोकथाम के लिए खाद्य सुरक्षा आयुक्त उत्तराखण्ड सचिन कुर्वे के एवं जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल के दिशा निर्देश पर खाद्य सुरक्षा उपायुक्त कुमांऊ मण्डल, डा0 राजेन्द्र सिंह कठायत के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा प्रवर्तन टीम के साथ रामनगर में चौकिंग अभियान चलाया गया।अभियान के तहत प्रवर्तन टीम द्वारा हलदुआ फारेस्ट चौक पोस्ट रामनगर में खाद्य प्रदार्थों के वाहनों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। तीन दर्जन से अधिक वाहनों का निरीक्षण कर दूध के 03,पनीर के 02,ब्रेड के 02, नमकीन का 01 बेकरी रस्क का 01 कुल 09 खाद्य नमूने जांच के लिए एकत्रित कर राज्य खाद्य एवं औषधि प्रयोगशाला को भेजे गए। 03 खाद्य विक्रेताओं को खाद्य सुरक्षा मानकों के उल्लंघन पर नोटिस देते हुए उनसे दो हफ्ते में जबाव तलब किया गया है।साथ ही आधा क्विंटल पनीर संदिग्ध परिस्थितियों में लाते हुए पाए जाने पर जनहित में नष्ट करवाया।इसके बाद टीम द्वारा रामनगर रोड पर स्थित 05 होटल और ढाबों का निरीक्षण किया जहां फूड हैंडलर के मेडिकल फिटनेस और पानी की जांच एवं अन्य मानक सही पाए गए।इसके बाद टीम द्वारा शिवलालपुर पांडेय रामनगर में रिटेल प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया और सभी प्रतिष्ठानों स्वामी/विक्रेताओं को संदिग्ध खाद्य पदार्थों का विक्रय नहीं करने के निर्देश दिये गये।सभी खाद्य कारोबारियों को निर्देशित किया गया है कि वह किसी भी खाद्य कारोबारकर्ता द्वारा यदि मानकों के अनुरूप खाद्य पदार्थो का विक्रय, निर्माण, संग्रहण, वितरण आदि सही नहीं पाये जाने वाले पर एवं बिना पंजीकरण/लाईसेंस के खाद्य कारोबार किया जाता है तो उसके विरूद्व सख्त कार्यवाही की जायेगी, साथ ही खाद्य पदार्थो के क्रय बिलों पर लाईसेंस संख्या अंकित होना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि दूसरे प्रदेशों से केवल पंजीकृत/लाईसेंसधारी खाद्य कारोबारकर्ता से ही खाद्य पदार्थों को क्रय करने के निर्देश दिये गए हैं।

समस्याओं का समाधान करने के दिए निर्देश

विधायक संवाददाता. कैड़ा ने विकास भवन भीमताल मै वन विभाग, उद्यान विभाग बीमा कम्पनी के उच्च अधिकारियो की ली बैठक समस्याओं का समाधान करने के दिए निर्देश भीमताल संवाददाता. विधायक राम सिंह कैड़ा ने आज विकास भवन भीमताल मै वन विभाग, उद्यान विभाग, एस. बी. आई बीमा कम्पनी के उच्च अधिकारियो के साथ की बैठक! विधायक कैड़ा ने वन विभाग के अधिकारियो से कहा बाघ/ गुलदार के द्वारा भीमताल विधानसभा मै लगातार 4 महिलाओ को अपना निवाला बना दिया हैलेकिन अभी तक आदमखोर बाघ/ गुलादार की आदमखोर होने की पुष्टि नहीं हो पाई है! ना ही पकड़े गये गुरदारो की डीएनए रिपोर्ट आ पाई है! उधर विधायक कैड़ा ने वन निगम के अधिकारियो को कहा धारी, रामगढ़, ओखलकांडा व भीमताल के घाटो मै अंतिम संस्कार के लिए लकड़ी नहीं मिल पा रही! जिस करण मजबूरन लोगो को कभी –कभी जगलो से कच्ची लड़की काटनी पड़ रही है! जिस कारण पर्यावरण को भी काफी नुकसान हो रहा है! विधायक कैड़ा ने वन विभाग के अधिकारियो की आदमखोर बाघ/ गुलदार की शीघ्र पड़ने, पड़के गुलदारो की डीएनए रिपोर्ट शीघ्र मगाने, जगल से लगे गाँव मै सौर ऊर्जा लाइट लगाने चारे की व्यवस्था करने, गाँव गाँव मैं बाघ /गुलदार के आतंक से निजात दिलाने हेतु प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिये! वन निगम के अधिकारियो को ओखलकांडा, धारी, रामगढ़, भीमताल ब्लॉको मै अलग अलग स्थानों मै मृतक के अंतिम संस्कार करने हेतु रानीबाग की तर्ज पर लकड़ी के स्टाल लगाने को कहा! जिससे पर्यावरण भी सुरक्षित रहे! पेड़ कटने से बच सके! इसके साथ ही विधायक कैड़ा ने उद्यान व ेइप बीमा कंपनी के अधिकारियो को कहा भीमताल, धारी, रामगढ़ ओखलकांडा के किसानो को अभी तक आलू बीमा नहीं मिल पाया है! जिस किसान को आलू बीमा राशि मिली भी तो किसानो द्वारा जमा की गई प्रीमियम राशि से भी कम दी गई! अगर किसान ने 5 हजार की बीमा राशि जमा की तो उस किसान को 11 सौ रूपये मिला है!

रामनगर पुलिस ने 64.47 ग्राम चरस और 25.43 ग्राम स्मैक के साथ एक आरोपी को किया गिरफ्तार

रामनगर संवाददाता. वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ0 मंजुनाथ टीसी द्वारा जनपद को नशामुक्त बनाने के लिए पुलिस के सभी प्रभारियों को अभियान चलाकर अवैध रूप से नशा तस्करी में लिप्त तस्करों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही के निर्देश दिए गए है।पुलिस अधीक्षक हल्द्वानी मनोज कुमार कत्याल के मार्गदर्शन, पुलिस क्षेत्राधिकारी रामनगर सुमित पांडे के पर्यवेक्षण और कोतवाल सुशील कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा शुक्रवार को नई बस्ती गुलरघट्टी धोबी घाट कोतवाली रामनगर क्षेत्र में चेकिंग अभियान के दौरान नई बस्ती गूलरघट्टी निवासी दीपक कश्यप उर्फ काली पुत्र स्व राम चन्द्र कश्यप को 64.47 ग्राम चरस और 25.43 स्मैक के साथ गिरफ्तार किया गया। कोतवाल सुशील कुमार ने बताया कि आरोपी के खिलाफ धारा 8/20/22 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि आरोपी के विरुद्ध कोतवाली रामनगर में पूर्व में एनडीपीएस एक्ट में तीन मुकदमे दर्ज है और वह कई बार जेल जा चुका है।

भाजपा सरकार की विफलताओं के विरोध में कांग्रेस कार्यालय रामनगर में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

रामनगर संवाददाता. आगामी 16 फरवरी को प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा प्रदेश की भाजपा सरकार की विफलताओं के विरोध में आहूत राजभवन घेराव कार्यक्रम को लेकर शुक्रवार को कांग्रेस कार्यालय रामनगर में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।बैठक की अध्यक्षता कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व विधायक रणजीत रावत ने की।बैठक को संबोधित करते हुए रणजीत रावत ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार जनहित के मुद्दों पर पूरी तरह विफल रही है। बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, कानून–व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति, किसानों एवं युवाओं की उपेक्षा जैसे गंभीर विषयों पर सरकार की चुप्पी दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि 16 फरवरी को अधिक से अधिक संख्या में पहुँचकर राजभवन घेराव कार्यक्रम को सफल बनाएं और जनता की आवाज को बुलंद करें।बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा, यात्रा व्यवस्था, जिम्मेदारियों के वितरण और अनुशासन बनाए रखने पर विस्तृत चर्चा की गई।बैठक में कांग्रेस जनों ने एकजुट होकर कार्यक्रम को ऐतिहासिक एवं सफल बनाने का संकल्प लिया।सभी कार्यकर्ताओं से अपील की गई है कि वे जनसंपर्क अभियान तेज करें और आमजन को इस आंदोलन से जोड़कर प्रदेश हित में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। इस दौरान कांग्रेस नगर अध्यक्ष भुवन शर्मा,ब्लॉक अध्यक्ष देशबंधु रावत,कुबेर कडाकोटी,शकील अहमद आदि मौजूद रहें।

सम्पादकीय

परीक्षाएँ नहीं, सीखना है जीवन का लक्ष्य

आज के समय में परीक्षा को लेकर विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों के बीच अत्यधिक चिंता और तनाव का वातावरण देखने को मिलता है। अक्सर अंकों को ही सफलता का एकमात्र मापदंड मान लिया जाता है, जबकि वास्तविकता यह है कि परीक्षाएँ जीवन का अंतिम लक्ष्य नहीं, बल्कि सीखने और स्वयं को बेहतर बनाने की प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण चरण मात्र हैं। राष्ट्रीय स्तर पर भी परीक्षा पे चर्चा जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से यह संदेश दिया जा रहा है कि परीक्षा को बोझ नहीं, बल्कि एक अवसर के रूप में देखा जाए। विद्यार्थियों को यह समझने की आवश्यकता है कि परीक्षा उनके ज्ञान, समझ और आत्मविश्वास को परखने का माध्यम है, न कि उनकी संपूर्ण क्षमता का अंतिम निर्णय। आज की प्रतिस्पर्धात्मक दुनिया में केवल अच्छे अंक ही सफलता की गारंटी नहीं हैं। समय की मांग है कि विद्यार्थियों का ध्यान अंकों के साथ-साथ कौशल विकास पर भी केंद्रित हो। संचार कौशल, समस्या समाधान क्षमता, रचनात्मक सोच, नेतृत्व क्षमता, टीमवर्क और तकनीकी दक्षता जैसे जीवन कौशल विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करते हैं। नई शिक्षा नीति और सीबीएसई भी अब इसी दिशा में कार्य करते हुए अनुभवात्मक शिक्षण, प्रोजेक्ट आधारित अधिगम और व्यावहारिक ज्ञान पर विशेष बल दे रहे हैं। अभिभावकों और शिक्षकों की जिम्मेदारी है कि वे बच्चों को केवल अधिक अंक लाने के दबाव में न रखें, बल्कि उनकी रुचियों और क्षमताओं को पहचानकर उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में सीखने और आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करें। वास्तव में, अंक सफलता का एक हिस्सा हो सकते हैं, लेकिन कौशल ही जीवन में स्थायी सफलता का आधार बनते हैं।परीक्षा के समय विद्यार्थियों पर सबसे अधिक प्रभाव घर और विद्यालय के वातावरण का पड़ता है। अभिभावकों को चाहिए कि वे बच्चों की तुलना अन्य विद्यार्थियों से न करें। तुलना से आत्मविश्वास कम होता है और तनाव बढ़ता है। इसके स्थान पर बच्चों को प्रोत्साहित करें, उनकी मेहनत की सराहना करें और सकारात्मक माहौल प्रदान करें।विद्यालयों की भी यह जिम्मेदारी है कि वे केवल परीक्षा परिणाम पर ही ध्यान न दें, बल्कि बच्चों के समग्र विकास पर कार्य करें। खेल, योग, ध्यान और सह-पाठयक्रम गतिविधियाँ विद्यार्थियों के मानसिक संतुलन और एकाग्रता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।आज के डिजिटल युग में विद्यार्थियों का काफी समय मोबाइल और सोशल मीडिया पर व्यतीत होता है, जो उनकी एकाग्रता और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है। परीक्षा के समय विशेष रूप से डिजिटल उपकरणों का सीमित और उद्देश्यपूर्ण उपयोग आवश्यक है।संतुलित दिनचर्या ख्र पर्याप्त नींद, पौष्टिक आहार, नियमित अध्ययन, छोटे-छोटे ब्रेक, योग और ध्यान ख्र विद्यार्थियों को तनावमुक्त और ऊर्जावान बनाए रखने में सहायक होती है।नई शिक्षा नीति और सीबीएसई की मूल्यांकन प्रणाली भी अब केवल रटने की प्रवृत्ति से आगे बढ़कर समझ, विश्लेषण, रचनात्मकता और व्यवहारिक ज्ञान पर जोर दे रही है। इसलिए विद्यार्थियों को केवल अंक प्राप्त करने के बजाय विषय को समझने और जीवन में उसके उपयोग पर ध्यान देना चाहिए।जीवन में सफलता केवल परीक्षा के अंकों से तय नहीं होती। आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच, समय प्रबंधन, अनुशासन और निरंतर सीखने की आदत ही वास्तविक सफलता की कुंजी हैं।विद्यार्थियों की सफलता के लिए अभिभावक, शिक्षक और विद्यालय के बीच समन्वय अत्यंत आवश्यक है। यदि तीनों मिलकर बच्चों का मार्गदर्शन करें, उन्हें प्रेरित करें और उनका मनोबल बढ़ाएँ, तो कोई भी चुनौती कठिन नहीं रह जाती।परीक्षा जीवन की यात्रा का एक पड़ाव है, मंजिल नहीं। इसे डर या दबाव के रूप में नहीं, बल्कि सीखने, आत्ममूल्यांकन करने और आगे बढ़ने के अवसर के रूप में स्वीकार करना चाहिए।हम सभी का प्रयास होना चाहिए कि बच्चों को ऐसा वातावरण मिले जहाँ वे बिना भय के सीख सकें, सोच सकें और अपने सपनों को साकार कर सकें।आइए, हम सब मिलकर यह संदेश फैलाएँ परीक्षा बोझ नहीं, अवसर है; अंक नहीं, सीख ही असली सफलता है।लेखक सीबीएसई सिटी कोऑर्डिनेटर, सूरजपुरप्राचार्य, साधु राम विद्या मंदिर, सूरजपुर हैं

भारत को अपनी उपलब्धियों को बचाए रखने हेतु एआई के उपयोग की जरूरत

सुश्री रुबल चिब

भारत में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को लेकर चल रहा विमर्श अब परिपक्व होता जा रहा है। ध्यान अब अमूर्त क्षमता से हटकर व्यावहारिक प्रभाव पर केन्द्रित होता जा रहा है। चर्चा एआई की सैद्धांतिक क्षमता से हटकर व्यवहार में उसके द्वारा हल की जा सकने वाली समस्याओं पर टिकती जा रही है। खाद्य और कृषि जैसे कुछ ही क्षेत्र इस अंतर को इतनी स्पष्टता से दर्शा पा रहे हैं। ये वो क्षेत्र हैं जहां अक्षमताएं मामूली नहीं बल्कि प्रणालीगत हैं और प्रौद्योगिकी को जहां जलवायु, लॉजिस्टिक्स एवं बाजार से जुड़ी गहरी स्थानीय वास्तविकताओं के दायरे में काम करना चाहिए।खाद्य प्रणालियां इस समस्या को स्पष्ट रूप से दर्शाती हैं। भारत अपनी आबादी को खिलाने के लिए पर्याप्त से अधिक उत्पादन करता है, फिर भी अनुमानित 68 मिलियन टन भोजन हर साल बर्बाद हो जाता है। इसमें अनियमित आपूर्ति, खराब गुणवत्ता मूल्यांकन और खंडित आपूर्ति श्रृंखलाओं के कारण कटाई के बाद 35-40 प्रतिशत फल एवं सब्जियां नष्ट हो जाती हैं। संकट उत्पादन का नहीं, बल्कि रोके जा सकने वाले नुकसान का है। यह नुकसान किल्लत का नहीं, बल्कि पैदावार एवं उपभोग और आंकड़ों एवं निर्णय लेने की प्रक्रिया के बीच के असंतुलन का नतीजा है। सालों से, गुणवत्ता और समय से जुड़ी विश्वसनीय एवं वास्तविक जानकारियों का अभाव भारतीय किसानों तथा नियामकों के लिए एक चुनौती बना हुआ है। जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप डिजाइन किया जाता है, तो यह इस खाई को पाटने का एक रास्ता खोलती है।जैविक वास्तविकता और आर्थिक निर्णय लेने की प्रक्रिया के बीच की यह खाई ही वह क्षेत्र है जहां व्यावहारिक एआई का खासा कारगर हो सकता है। क्यूजेंस लैब्स में, हमारा काम एक साधारण अवलोकन से शुरू हुआ: अब जबकि भारत के डिजिटल बुनियादी ढांचे ने भुगतान, पहचान और सेवाओं की आपूर्ति को पूरी तरह बदल दिया है, गुणवत्ता का आकलन करने के तरीके के मामले में खाद्य अर्थव्यवस्था काफी हद तक एनालॉग ही बनी हुई है। श्क्यूस्कैन्ग्र नाम की जो एआई-संचालित संवेदन प्रणाली हमने विकसित की है, वह फलों और सब्जियों में आंतरिक गुणवत्ता संबंधी संकेतों को पकड़ने हेतु अवरक्त (इंफ्रारेड) स्पेक्ट्रोस्कोपी तथा कृत्रिम सूंघने की क्षमता (आर्टिफीशियल ओल्फैक्शन) का उपयोग करती है और उन्हें निर्णय लेने के समय उपयोगी जानकारियों में परिवर्तित करती है। इरादा स्वचालन को सिर्फ दिखावे की मंशा से लागू करना भर नहीं, बल्कि कम लाभ पर काम करने वाले उपभोक्ताओं, किसानों और खुदरा विक्रेताओं के लिए अनिश्चितताओं को कम करना था।इस अनुभव से यह बात स्पष्ट हो गई है कि एआई की प्रभावशीलता मूल रूप से संदर्भ पर निर्भर करती है। विदेशी आंकड़े (डेटासेट) या मानकीकृत आपूर्ति श्रृंखलाओं पर प्रशिक्षित मॉडल भारत की उन विविधता भरी परिस्थितियों में विफल हो जाते हैं, जहां फसलों की किस्में, जलवायु, भंडारण की पद्धतियां और बाजार की संरचनाएं विभिन्न क्षेत्रों में बिल्कुल ही अलग-अलग होती हैं। खासकर खाद्य प्रणालियों में, सटीकता को स्थानीयता से अलग नहीं किया जा सकता। भारतीय उपज, भारतीय लॉजिस्टिक्स और भारतीय व्यवहारिक मानदंडों को न समझने वाली एआई के लिए न्यूनतम रूप से अप्रासंगिक और अधिकतम रूप से भ्रामक होने का जोखिम होता है।इसीलिए संप्रभु एवं घरेलू जड़ों में निहित एआई पर वर्तमान नीतिगत जोर सामयिक और जरूरी, दोनों है। श्इंडियाएआई मिशन्ग्र कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रति राज्य के दृष्टिकोण में एक स्पष्ट बदलाव का संकेत देता है - इसे रोजमर्रा की वास्तविकताओं से कटे एक अत्याधुनिक तकनीक के रूप में नहीं, बल्कि विकासात्मक बुनियादी ढांचे के रूप में देखा जा रहा है। स्वदेशी एआई अनुप्रयोगों के लिए लक्षित वित्तपोषण, राष्ट्रीय कंप्यूटिंग क्षमता में निवेश, भारतीय डेटासेट के लिए समर्थन और क्षेत्र-विशिष्ट समाधानों को बढ़ावा देने वाले कार्यक्रमों के जरिए, यह मिशन सक्रिय रूप से एक ऐसे इकोसिस्टम का निर्माण कर रहा है जहां नवाचार स्थानीय जरूरतों पर आधारित है। स्वदेशी मॉडलों, स्टार्टअप और जनहित की परियोजनाओं का समर्थन करके, यह मिशन अन्य भौगोलिक क्षेत्रों से लिए गए एआई प्रणालियों के बजाय भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप डिजाइन की गई एआई प्रणालियों के लिए जगह बना रहा है।खाद्य और कृषि के उदाहरणों से साफ होता है कि यह क्यों महत्वपूर्ण है। फसल की कटाई के बाद होने वाले नुकसान को कम करने से किसानों की आय, खाद्य पदार्थों की कीमतों और पर्यावरण से जुड़े नतीजों पर सीधा असर पड़ता है। बचाई गई उपज की प्रत्येक इकाई भूमि, जल और ऊर्जा संसाधनों पर दबाव को कम करती है, जोकि जलवायु परिवर्तन और जिम्मेदार उपभोग के प्रति भारत की प्रतिबद्धताओं के अनुरूप है। अक्सर व्यवहार में बदलाव या नए इनपुट की जरूरत वाले उपज बढ़ाने के उपायों के उलट, बेहतर गुणवत्ता मूल्यांकन समन्वय में सुधार करके बेहतर नतीजों को संभव बनाता है - जिससे प्रणाली सही समय पर कार्य करने में सक्षम होती है।समावेशन का प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है। सार्वजनिक हित में एआई का सदुपयोग तभी संभव है जब यह सिर्फ बड़े उद्यमों के बजाय छोटे व्यवसायों के लिए भी सुलभ हो। भारत की कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था में इसका आशय ऐसे उपकरणों से है जो अनौपचारिक बाजारों में काम करें, स्थानीय भाषाओं का समर्थन करें और मानवीय निर्णय को दरकिनार करने के बजाय उसका पूरक बनें। अस्पष्ट सुझाव थोपने वाली प्रौद्योगिकियां विश्वास अर्जित करने के लिए जूझेंगी। अदृश्य जानकारी को दृश्यमान बनाकर निर्णय लेने की प्रक्रिया को सुगम बनाने वाली प्रौद्योगिकियों के स्वाभाविक रूप से व्यापक होने की संभावनाएं कहीं अधिक हैं।हमारे देश की राजधानी में 16 से 20 फरवरी 2026 के दौरान आयोजित होने वाला श्इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट्ग्र ऐसे समय में हो रहा है जब ये अंतर और भी स्पष्ट होते जा रहे हैं। वैश्विक स्तर पर, एआई से जुड़ी चर्चाएं शक्तियों के केन्द्रीकरण, डेटा संबंधी विषमताओं और पर्यावरण से जुड़ी कीमतों जैसे मुद्दों से जूझ रही हैं। भारत के लिए मौका एक अलग राह दिखाने में निहित है, एक एक ऐसी राह जहां बुद्धिमत्ता विकेन्द्रीकृत, संदर्भों के प्रति जागरूक और वास्तविक आर्थिक प्रणालियों में समाहित हो। कृषि, खाद्य संबंधी लॉजिस्टिक्स और जलवायु अनुकूलन एआई से जुड़ी कहानी में हाशिए पर नहीं, बल्कि इसके केन्द्र में हैं।यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि एआई अपने आप ही प्रभाव उत्पन्न नहीं करता। इसके लिए विषय-वस्तु की गहरी समझ, जटिल नीतिगत वास्तविकताओं के प्रति धैर्य और सार्वजनिक संस्थानों के साथ घनिष्ठ समन्वय की जरूरत होती है। हालांकि, जब ये शर्तें पूरी की जाती हैं, तो एआई उन क्षेत्रों को चुपचाप बदल सकता है जिन्होंने लंबे समय से सुधार का विरोध किया है। यह बदलाव व्यवधान के जरिए नहीं, बल्कि पूर्व में लिए गए बेहतर निर्णयों के जरिए होता है।इम्पैक्ट समिट जैसे-जैसे करीब आता जा रहा है, नीति निर्माताओं, प्रौद्योगिकीविदों और उद्यमियों के सामने एआई को अंधाधुंध रूप से अपनाने के बजाय सोच-समझकर और गहराई से लागू करने की चुनौती है। सफलता को मॉडल के मानकों के बजाय अपव्यय को कम करने, आय को स्थिर करने और सुदृढ़ता को मजबूत करने में बुद्धिमत्ता की कामयाबी के आधार पर मापा जाना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार...

बच्चों को निर्धारित करना चाहिए अपना लक्ष्य

रुड़की संवाददाता. खानपुर ब्लॉक मुख्यालय पर खिलाड़ी छात्र-छात्राओं को ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि की ओर से ट्रैक सूट व जूते वितरित किए गए। इस मौके पर उन्होंने कहा कि बच्चों को पढ़ाई लिखाई के साथ-साथ अपना लक्ष्य भी निर्धारित करना चाहिए तभी वह सही मंजिल पा सकते हैं। खानपुर ब्लॉक मुख्यालय पर शुक्रवार की शाम आयोजित कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि मनीष चौधरी ने कहा कि खानपुर क्षेत्र पिछड़ा क्षेत्र है। जिसके चलते बच्चों को सही सुविधा नहीं मिल पाती हैं और प्रतिभाओं का हनन होता है। इसलिए हमें उनके साथ देना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि बच्चों को चाहिए कि वह शिक्षा के साथ-साथ खेलकूद जैसी प्रतियोगिताओं में भी प्रतिभा करें ताकि उन्हें अपनी प्रतिभा का सही प्रदर्शन करने का अवसर प्रदान हो। इस मौके पर युवा कल्याण अधिकारी आशीष सिंगवान व अकाउंटेंट राजीव त्रिपाठी ने संयुक्त रूप से कहा कि खानपुर में छह विधानसभाओं की खेल प्रतियोगिता आयोजित कराई गई थी। जिसमें बच्चों के अंदर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने की लगन लगी दिखाई पड़ी थी। उन्होंने कहा कि बच्चे लगातार स्टेडियम में पसीना बहा रहे हैं और वह दिन दूर नहीं है जब उन्हें उनकी मेहनत का फल मिलेगा। उन्होंने बच्चों से कहा कि बच्चों को कभी भी अपने मन में यह भावना पैदा नहीं करनी चाहिए कि वह आर्थिक रूप से कमजोर हैं, बस मन के अंदर मंजिल को पाने की भावना पैदा करनी चाहिए। इस मौके पर पीआरडी कमांडर मदनपाल सिंह, विक्रांत, अभिनव, आयुषी, पूजा, विश्वजीत, वंदना, नकुल, निशांत, दीपक कुमार व आदि सहित अनेक बच्चे शामिल रहे। इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि मनीष कुमार ने 50 बच्चों को जूते व ट्रैक सूट वितरित किए।

अवैध शराब के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

रुड़की संवाददाता. पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। थाना अध्यक्ष अजय शाह ने बताया कि नशा मुक्ति देवभूमि मिशन के तहत कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर कुंजा बहादुरपुर रोड स्थित सुनेहटी आलापुर गेट के पास से बालेश निवासी सुनेहटी आलापुर को दबोचा। तलाशी में उसके पास से 49 पव्वे देसी शराब माल्टा बरामद हुई। आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की गई है।

कार्यकर्ताओं से रैली में शामिल होने की अपील

रुड़की संवाददाता. विधायक ममता राकेश ने शुक्रवार को अपने कैंप कार्यालय में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक ली। इस दौरान उन्होंने 16 फरवरी को देहरादून में प्रस्तावित रैली में अधिक से अधिक लोगों के भागीदारी करने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार हर मोर्चे पर विफल रही है। सरकार में महिलाओं में असुरक्षा, युवाओं की बेरोजगारी और सरकारी विभागों में भ्रष्टाचार जैसे मुद्दे बढ़े हैं। उन्होंने बताया कि कांग्रेस पार्टी सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ रैली आयोजित कर रही है। इस मौके नगर पंचायत भगवानपुर के अध्यक्ष गुलबहार, नगर अध्यक्ष सलीम अहमद, ब्लाक अध्यक्ष रुप चौधरी, फारुख प्रधान, जहीर त्यागी, हुसैन गौर, गय्यूर प्रधान, नासिर प्रवेज, शाहनवाज प्रधान, मांगेराम, अनूज, नईम प्रधान, भूरा प्रधान, विपिन सिंह आदि मौजूद रहे।

65 में से 36 शिकायतों का मौके पर निस्तारण

रुड़की संवाददाता. भगवानपुर की न्याय पंचायत भलस्वागाज स्थित राष्ट्रीय इंटर कॉलेज के खेल मैदान में शुक्रवार को 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' कार्यक्रम के तहत बहुउद्देशीय शिविर आयोजित किया गया। शिविर में कुल 65 शिकायतें दर्ज हुई, जिनमें से 36 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि अन्य को संबंधित विभागों को भेजा गया। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने अपने-अपने स्टॉल लगाकर लोगों को योजनाओं की जानकारी दी और शिकायतें दर्ज कीं। कुल 65 समस्याएं दर्ज हुई, जिनमें से 36 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष शिकायतों को संबंधित विभागों को शीघ्र समाधान के लिए भेजा गया। कार्यक्रम में राज्य मंत्री देशराज कर्णवाल, श्यामवीर सैनी, शोभाराम प्रजापति, नरेंद्र सिंह (पूर्व मुख्यमंत्री सलाहकार), देवी सिंह राणा, भूपेंद्र सिंह, संदीप रघुवंशी, विराट गोयल, बीडीओ आलोक गार्ग्य, प्रधानाचार्य जितेंद्र सिंह पुंडीर, कुलवीर सिंह, रवि प्रधान (मंडल महामंत्री चुड़ियाला), नोडल अधिकारी जल निगम सीपीएस गैंगवाल, उपजिलाधिकारी देवेंद्र सिंह नेगी, नायब तहसीलदार जयकृत सिंह रावत, लेखपाल संजय सिंह, खंड शिक्षा अधिकारी अभिषेक शुक्ला सहित कई अधिकारी व जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। बड़ी संख्या में क्षेत्रीय ग्रामीणों ने भी भाग लिया।

मंत्री गणेश जोशी ने किया पूर्व सैनिक रोजगार मेले का शुभारंभ

देहरादून संवाददाता. सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने आज देहरादून के गढ़ी कैंट स्थित जसवंत ग्राउंड में रक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित पूर्व सैनिक (ईएसएम) रोजगार मेले का रिबन काटकर विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने मेले में लगाए गए विभिन्न स्टालों का अवलोकन भी किया। रोजगार मेले में 40 से अधिक निजी कंपनियों ने भाग लेकर पूर्व सैनिकों के लिए रोजगार के विविध अवसर उपलब्ध कराए।इस अवसर पर सैनिक मंत्री गणेश जोशी ने भूतपूर्व सैनिक कल्याण विभाग एवं महानिदेशालय पुनर्वास की इस सार्थक पहल में सहयोग देने के लिए कॉर्पोरेट जगत का आभार व्यक्त किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि चारों ओर उपस्थित वे जांबाज सैनिक हैं, जिन्होंने अपने जीवन का स्वर्णिम काल मातृभूमि की सेवा में समर्पित कर दिया। उनकी वीरता और त्याग की तुलना किसी से नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि यह रोजगार मेला उन पूर्व सैनिकों के जीवन के महत्वपूर्ण पड़ाव को सहज बनाने का प्रयास है, जब वे वर्दी छोड़ने के बाद अपने और अपने परिवार के पालन-पोषण हेतु नागरिक जीवन में नए अवसर तलाशते हैं। उन्होंने कहा कि अपेक्षाकृत कम आयु में सेवानिवृत्त होने वाले पूर्व सैनिकों को दूसरा करियर विकल्प उपलब्ध कराना इस मेले का मुख्य उद्देश्य है। सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि यह पहल प्रधानमंत्री के 'आत्मनिर्भर भारत', 'मेक इन इंडिया' और स्वरोजगार के संकल्प से भी प्रत्यक्ष रूप से जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि वर्दीधारी जीवन से नागरिक समाज तक की यात्रा चुनौतीपूर्ण होती है, और इस परिवर्तन में पूर्व सैनिकों का सहयोग करना केवल सरकार ही नहीं बल्कि समाज एवं कॉर्पोरेट जगत की भी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार उपनल के माध्यम से राज्य के पूर्व सैनिकों, उनके आश्रितों और युवाओं को शीघ्र ही विदेशों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है। सैनिक कल्याण मंत्री जोशी ने रोजगार मेले में सक्रिय भागीदारी के लिए कॉर्पोरेट जगत का विशेष धन्यवाद करते हुए कहा कि यह आयोजन इस बात का प्रमाण है कि पूर्व सैनिकों के योगदान को न केवल याद रखा गया है, बल्कि उसका सम्मान और उपयोग भी सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने सभी लाभार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।सैनिक कल्याण मंत्री ने कहा कि आज स्वरोजगार के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं।

पुलवामा हमले में शहीद हुए वीर सैनिकों की स्मृति में रक्तदान शिविर में 26 रक्तदाताओं ने किया रक्तदान

डोईवाला संवाददाता। एक मदद ब्लड ग्रुप समिति एवं परवादून बार एसोसिएशन डोईवाला की ओर से परवादून बार एसोसिएशन बार प्रांगण में पुलवामा हमले में शहीद हुए वीर सैनिकों की स्मृति में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 26 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया जिसको हिमालयन ब्लड बैंक जौलीग्रांट में भिजवाया गया है। एक मदद ब्लड ग्रुप समिति का यह 14 वा रक्तदान शिविर था। रक्तदान शिविर का शुभारंभ संस्था के अध्यक्ष साकिर हुसैन एवं परवादून बार एसोसिएशन के सचिव मनोहर सिंह सैनी ने किया। साकिर हुसैन ने कहा कि हर व्यक्ति को एक बार जरूर रक्तदान करना चाहिए रक्तदान करने से घबराना नहीं चाहिए रक्तदान करने से शरीर तंदुरुस्त और नया खून मिलता है जिससे इंसान के शरीर में कोई घातक रोग नहीं बनता है परवादून बार एसोसिएशन के सचिव मनोहर सिंह सैनी ने बताया युवाओं को प्रेरित करने के लिए यह रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। व्यक्तियों से निवेदन किया गया कि रक्तदान के लिए सभी को आगे आना चाहिए जिससे कि हम दूसरों की जान बचा सकें। हम लगातार लोगों को रक्तदान करने के लिए जागरूक कर रहे है।

व्यापारियों की समस्याओं का हल करने का काम करेगा संगठनः शर्मा

रुड़की संवाददाता. व्यापारियों की समस्याओं के समाधान और संगठन को मजबूत बनाने के उद्देश्य से प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल की बैठक में जिला कार्यकारिणी का विस्तार किया गया। बैठक में विभिन्न पदों पर नए पदाधिकारियों की नियुक्ति करते हुए संगठन को और सशक्त बनाने का संकल्प लिया गया। बैठक में जिलाध्यक्ष सौरभ भूषण शर्मा ने कहा कि संगठन के विस्तार का उद्देश्य व्यापारियों को आ रही समस्याओं के समाधान कराने के लिए किया गया है। नए पदाधिकारी पूरी निष्ठा के साथ व्यापारियों के हितों की आवाज उठाएंगे और प्रशासन व व्यापारियों के बीच मजबूत सेतु का कार्य करेंगे। जिला महामंत्री विभोर अग्रवाल ने जिला अध्यक्ष की संस्तुति पर कार्यकारिणी विस्तार की घोषणा करते हुए विराट गोयल को जिला उपाध्यक्ष और प्रदीप अग्रवाल को जिला मंत्री नियुक्त किया।

विधानसभा बजट सत्र तीन सप्ताह का हो, मुख्यमंत्री दें सोमवार को प्रश्नों के उत्तर ख्र मोहित उनियाल

डोईवाला संवाददाता। परवादून जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नाम डोईवाला उपजिलाधिकारी के माध्यम से ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन में आगामी उत्तराखण्ड विधानसभा बजट सत्र को कम से कम तीन सप्ताह की अवधि के लिए आहूत करने तथा उसमें प्रभावी प्रश्नकाल एवं महत्वपूर्ण विधायी कार्य सुनिश्चित करने की मांग की गई। ज्ञापन में कहा गया कि अन्य राज्यों की तुलना में उत्तराखण्ड विधानसभा के सत्र बहुत कम अवधि के लिए बुलाए जाते हैं, जिससे जनता से जुड़े ज्वलंत मुद्दों पर सदन में समुचित चर्चा नहीं हो पाती। प्रदेश में बिगड़ती कानून व्यवस्था, महिलाओं पर बढ़ते अपराध, वन्य जीवों के हमलों से हो रही मानवीय क्षति, पेयजल संकट, आपदा पीड़ितों के पुनर्वास में देरी तथा सरकारी जमीनों की नीलामी जैसे गंभीर विषयों पर विधानसभा में व्यापक चर्चा आवश्यक है। परवादून कांग्रेस जिलाध्यक्ष मोहित उनियाल ने कहा कि बजट सत्र में कम से कम तीन सोमवार ऐसे हों, जिनमें प्रश्नकाल आयोजित हो और मुख्यमंत्री स्वयं अपने अधीन विभागों से संबंधित प्रश्नों का उत्तर सदन में दें। साथ ही, उत्तर प्रदेश कालीन कानूनों एवं नियमावलियों में आवश्यक संशोधन कर उत्तराखण्ड के अनुरूप नए एवं प्रभावी कानून बनाए जाएं।

हिन्दी दैनिक जोखिम

राज्य आंदोलनकारी चिह्नीकरण के लिए सरकार ने एक और मौका दिया

नई टिहरी संवाददाता. प्रदेश सरकार ने राज्य आंदोलनकारियों के चिह्नीकरण के लिए लंबित आवेदन पत्रों का निस्तारण करने के लिए आंदोलनकारियों को एक और मौका दिया है। इसमें उन्हीं आवेदन पत्रों पर विचार किया जाएगा जिसके आवेदन पत्र वर्ष 2021 तक जिला प्रशासन के पास जमा है। राज्य आंदोलनकारी घोषित करवाने के लिए आवेदक को पूर्व निर्धारित सभी मानक पूरे करने होंगे। आवेदन पत्रों का निस्तारण करने के लिए छह माह की समय सीमा तय की गई है। पृथक उत्तराखंड राज्य गठन के बाद राज्य आंदोलन में विशेष भूमिका निभाने वालों को प्रदेश सरकार की ओर से राज्य आंदोलनकारी का दर्जा देकर उन्हें कई सुविधाएं प्रदान की जा रही है लेकिन अभी तक दर्जनों आवेदन पत्र प्रशासन के पास लंबित हैं, जिनका निस्तारण होना बाकी है। सरकार ने ऐसे लंबित आवेदन पत्रों के निस्तारण के लिए एक बार फिर से छह माह की समय सीमा तय कर आवेदकों को मौका दिया है। हालांकि इस बार भी आवेदक को दिसंबर 2017 में निर्धारित सभी मानकों को पूरा करना होगा। राज्य आंदोलनकारी घोषित होने के लिए आवेदक को प्रदेश सरकार की ओर से तय किए गए मानकों में स्थानीय अभिसूचना इकाई (एलआईयू) रिपोर्ट, पुलिस के अभिलेखों में डेली डायरी की रिपोर्ट, प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) और चिकित्सा संबंधी रिपोर्ट आदि दस्तावेज समिति के सम्मुख प्रस्तुत करने होंगे। इसमें उन्हीं आवेदन पत्रों पर विचार किया जाएगा, जिनके आवेदन पत्र पहले से ही जिला प्रशासन के पास लंबित हैं। राज्य आंदोलनकारी मंच के कार्यकारी अध्यक्ष देवेंद्र नौडियाल ने कहा कि राज्य आंदोलनकारी चिह्नीकरण से अभी कई लोग छूटे हुए हैं। जिला प्रशासन के पास करीब 150 से अधिक आवेदन पत्र लंबित हैं। नए आवेदकों को भी मौका दिया जाना चाहिए।उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी चिह्नीकरण की तिथि शासन स्तर से छह माह तक विस्तारित की गई है। इसमें उन्हीं आवेदन पत्रों पर विचार किया जाएगा। जिनके आवेदन पत्र मार्च 2021 तक जमा हैं। - नितिका खंडेलवाल, डीएम टिहरी।

जिले के 125 परीक्षा केंद्रों पर 12,605 छात्र देंगे बोर्ड परीक्षा

पौड़ी संवाददाता. 23 फरवरी से शुरू होने वाली परिषदीय परीक्षाओं में इस साल जनपद से 12,605 छात्र शामिल हो रहे हैं जिनमें 6,185 हाईस्कूल और 6,420 इंटरमीडिएट परीक्षा में प्रतिभाग करेंगे। परीक्षा को नकलविहीन बनाने के लिए जनपद भर में 125 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं इस बार जीआईसी देवीखाल में केवल हाईस्कूल की ही परीक्षा होगी। नगर क्षेत्र के जीआईसी में डीएम स्वाति एस भदौरिया ने बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी बैठक ली। उन्होंने सभी खंड शिक्षाधिकारियों को विकासखंड स्तर पर परीक्षा को लेकर सभी जरूरी तैयारियां करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रधानाचार्यों को परीक्षार्थियों के हितों को लेकर बोर्ड परीक्षाओं से पूर्व ओरिएंटेशन सत्र आयोजित करने को कहा।

टैक्सी चालकों ने सड़क के गड्ढ़ों को भरा, विभाग को दिखाया आईना

चमोली संवाददाता. सड़क की बदहाल स्थिति को जब पीएमजीएसवाई ठीक नहीं कर पाया तो टैक्सी चालकों ने खुद ही सड़क के गड्ढ़े भरे। चालकों ने सीमेंट और कंक्रीट भर कर सड़क को आवाजाही योग्य बनाया। बीते वर्ष अगस्त-सितंबर की भारी बारिश व आपदा से हिमनी-बलाण सड़क में एक माह से अधिक यातायात बाधित रहा। विभाग की नियमित देखरेख नहीं होने से कालीताल से ऊपर इस सड़क का करीब 70 मीटर हिस्सा आवाजाही के लिए खतरनाक बना हुआ है। टैक्सी चालकों ने बताया कि कई बार इसकी जानकारी विभाग के अधिकारियों को दी गई। लेकिन विभाग ने गड्ढ़ों को नहीं भरा। जिस कारण सड़क में बड़े गड्ढ होने से खतरा बना है। बलाण के गोविंद सिंह बिष्ट ने बताया कि शुक्रवार को वाहन चालक व वाहन स्वामी लक्ष्मण सिंह, देव सिंह, भुवन सिंह, लखपत सिंह, अर्जुन सिंह आदि कई ने चार कट्टे सीमेंट व कंक्रीट से सड़क के गड्ढ़ों को भरा गया। यहीं नहीं सड़क में पड़े पत्थर व वोल्डरों को भी हटाया गया। ग्रामीणों ने बताया कि कालीताल से उपर दो किमी सड़क की स्थति खतरनाक बनी हुई है। कई बार विभाग को बताने के बाद भी इस सड़क की स्थिति में सुधार नहीं हो पाया। वहीं इस बारे में पीएमजीएसवाई के अवर अभियंता प्रदीप पंवार ने बताया कि पूर्व में सड़क का मलबा हटाया गया था। शीघ्र मशीन भेजकर सड़क ठीक किया जाएगा।

100 मीटर दौड़ में अमर और सिमरन ने मारी बाजी

नई टिहरी संवाददाता. एचएनबी केंद्रीय गढ़वाल विवि के एसआरटी परिसर बादशाहीथौल के शिक्षा विभाग की ओर से तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता शुरू हो हुई। 100 मीटर बालक वर्ग दौड़ में अमन परमार और बालिका में सिमरन ने पहला स्थान प्राप्त कर बाजी जीती। एसआरटी परिसर बादशाहीथौल के खेल में परिसर के प्रभारी निदेशक प्रो. केसी पेटवाल ने खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि खेल हमें मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत बनाने के साथ रोजगार और नौकरी की संभावना को आगे बढ़ती है। उन्होंने छात्र-छात्राओं को अनुशासन, लग्न और परिश्रम के साथ आगे बढ़ने को कहा। शिक्षा विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता गोदियाल ने बताया कि 100 मीटर बालक वर्ग दौड़ बालक वर्ग में आशीष गौड़, शेखर सिंह तथा बालिका वर्ग में गीता और प्रेरणा नेगी ने क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान प्राप्त किया। बॉल थ्रो बालक वर्ग में शुभम उनियाल, सागर रावत, सचिन उनियाल और बालिका वर्ग में तमन्ना धनाई, गीता,साक्षी काला ने क्रमशः पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। बालक वर्ग क्रिकेट प्रतियोगिता में बीएड प्रथम वर्ष की टीम विजेता और बीएड द्वितीय वर्ष उप विजेता रही। बालिका वर्ग में बीएड द्वितीय सेमेस्टर विजेता तथा चतुर्थ सेमेस्टर की टीम उप विजेता रही। वहीं इंडोर खेल प्रतियोगिता कैरम महिला वर्ग में निकिता विजेता, प्रेरणा नेगी उपविजेता रही। विजेताओं खिलाड़ियों और टीमों को प्रशस्ति पत्र और मेडल देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर डॉ. मनोज नौटियाल, डॉ. नीरज जोशी, डॉ. हेमराज, डॉ. अरविंद कुमार, डॉ. अखिलेश गौतम, डॉ. देवम, डॉ. सुमन लता, गौरव तड़ियाल, आशुतोष मौजूद थे।

मानव वन्यजीव संघर्ष रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाए

पौड़ी संवाददाता. उत्तराखंड क्रांति दल (यूकेडी) ने जनपद में बढ़ते मानवख्वन्यजीव संघर्ष पर गहरी चिंता जताई है। शुक्रवार को जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। दल ने जंगली जानवरों के बढ़ते हमलों पर प्रभावी रोक लगाने के लिए प्रशासन से तत्काल ठोस कदम उठाने की मांग की। ज्ञापन सौंपते हुए यूकेडी महिला प्रकोष्ठ की केंद्रीय अध्यक्ष संतोष भंडारी, केंद्रीय प्रवक्ता क्रांति प्रसाद भट्ट और केंद्रीय उपाध्यक्ष आशुतोष नेगी ने कहा कि लगातार हो रहे हमलों से ग्रामीण दहशत के साए में जीने को मजबूर हैं। दल ने ग्रामीण क्षेत्रों में सोलर लाइटों की संख्या बढ़ाने, झाड़ियों की नियमित कटाई के लिए वन सरपंचों को अनुदान देने, आधुनिक घास कटाई मशीनें उपलब्ध कराने और ग्रामीणों को निशुल्क सर्च लाइट देने की भी मांग की। इस अवसर पर केंद्रीय महामंत्री देवचंद उत्तराखंडी, जिलाध्यक्ष अर्जुन नेगी, जिला उपाध्यक्ष जेपी नैनवाल, नगराध्यक्ष अजय चंदोला, दीप्ती और नीमा भंडारी मौजूद रहे।

थराली में वाहन खाई में गिरा, चार घायल, दो रेफर

-हल्द्वानी से थराली की ओर आ रहा था वाहन, पुलिस और ग्रामीणों ने घायलों को निकाला

चमोली संवाददाता. शुक्रवार को लगभग एक बजे करीब सिमली-ग्वालदम-अल्मोड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग पर नासिर बाजार के पास देवराड़ा मोड़ पर एक ट्रॉला वाहन अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरा। इसमें सवार चार लोग घायल हो गए जिन्हें उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। यहां से दो घायलों को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। मिली जानकारी के मुताबिक एक ट्रॉला वाहन हल्द्वानी से थराली की तरफ आ रहा था। इस दौरान देवराड़ा मोड़ पर वाहन अनियंत्रित होकर सड़क से लगभग 30-40 मीटर खाई में गिर गया। पुलिस थानाध्यक्ष विनोद चौरसिया ने बताया कि उक्त वाहन में पांच व्यक्ति सवार थे। इनमे अंशु (25), पप्पू (50), सोहेल (45), अली (17) सभी निवासी पुराना रोडवेज बरेली उत्तर प्रदेश घायल हो गए। इनमें अंशु और पप्पू की हालात गंभीर देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। जबकि पांचवां व्यक्ति सुरक्षित है।

विधानसभा का बजट सत्र तीन सप्ताह चलाया जाए

चमोली संवाददाता. जिला कांग्रेस कमेटी ने उत्तराखंड विधानसभा के बजट सत्र को तीन सप्ताह तक चलाने की मांग की है। उन्होंने इसके लिए जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष को ज्ञापन भेजा है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि उत्तराखंड विधानसभा के सत्र बहुत कम समय के लिए आयोजित होते हैं। इससे राज्य के महत्वपूर्ण प्रश्न सर्वोच्च सदन के सामने नहीं आ पाते हैं। भ्रष्टाचार, महिलाओं के बढ़ते उत्पीड़न, वन्यजीवों से मानव हानि, सरकारी जमीनों की बंदरबांट आदि ज्वलंत मुद्दों पर विधानसभा में चर्चा होनी चाहिए। इसलिए बजट सत्र की समयावधि बढ़ाई जाए। ज्ञापन सौंपने वालों में नगर अध्यक्ष योगेंद्र सिंह बिष्ट, ब्लॉक अध्यक्ष गोविंद सिंह सजवाण, पीसीसी सदस्य अरविंद नेगी, वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष आनंद सिंह पंवार, जिला उपाध्यक्ष धीरेंद्र गरोड़िया, भगत कनियाल, जिला महामंत्री संदीप झिंक्वाण सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

औली में शीतकालीन राष्ट्रीय खेल व विंटर कार्निवल का रंगारंग आगाज

- पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने किया कार्यक्रम का उद्घाटन

चमोली संवाददाता. विश्व प्रसिद्ध हिम क्रीड़ा स्थली औली में शुक्रवार को राष्ट्रीय शीतकालीन खेल चौंपियनशिप और विंटर कार्निवल का सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ आगाज हुआ। पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। प्रतियोगिता में पहले दिन हिमाचल के खिलाड़ियों का दबदबा रहा। राष्ट्रीय स्कीइंग प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में आईटीबीपी के जवानों ने स्कीइंग स्लोप पर डेमो दिखाया। इसके बाद लाता गांव के लोक कलाकारों ने मां नंदा की डोली के साथ ही राधारानी नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी। पांडवास ग्रुप की ओर से भी सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। पर्यटन मंत्री महाराज ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड प्राकृतिक सौंदर्य, आध्यात्मिक चेतना और साहसिक संभावनाओं का अद्वितीय संगम है। औली की भौगोलिक संरचना और अनुकूल जलवायु इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए आदर्श स्थल बनाती है। कहा कि औली विंटर कार्निवल उत्तराखंड को वैश्विक मानचित्र पर सुदृढ़ पहचान दिलाने के लिए मील का पत्थर साबित होगा। इस दौरान पर्यटन सचिव धीरज गर्ब्याल, कर्णप्रयाग विधायक अनिल नौटियाल, नगर पालिका अध्यक्ष देवेश्वरी शाह, ब्लॉक प्रमुख अनूप नेगी, भाजपा जिलाध्यक्ष गजपाल बर्त्वाल, जिलाधिकारी गौरव कुमार, एमडी जीएमवीएन विशाल मिश्रा, एसपी सुरजीत सिंह पंवार, आईटीबीपी के आईजी अखिलेश रावत, विंटर गेम्स एसोसिएशन के अध्यक्ष हर्षमणि व्यास सहित गढ़वाल स्काउट के प्रतिनिधि व अन्य लोग मौजूद रहे।

अप्रैल में होगा सूर्य देवभूमि चौलेंज ट्रेल का आयोजन

ज्योतिर्मठ/गोपेश्वर संवाददाता. शीतकालीन खेलों के उद्घाटन अवसर पर पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने सीमांत क्षेत्रों में वर्ष 2026 के दौरान आयोजित होने वाले प्रमुख कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अप्रैल में भारतीय सेना के सहयोग से सूर्य देवभूमि चौलेंज का आयोजन प्रस्तावित है। यह 91 किमी ट्रेल हेलंग से उर्गम-रुद्रनाथ-मंडल होते हुए ऊखीमठ तक आयोजित की जाएगी। आदि कैलाश अल्ट्रा मैराथन की सफलता के बाद 31 मई को चमोली की नीती घाटी से नीती एक्सट्रीम अल्ट्रा दौड़ आयोजित होगी। इसमें रिमखिम-नीती-मलारी तक 75 किमी तथा नीती से मलारी तक 42 किमी अल्ट्रामैराथन शामिल है। प्रतियोगिता में विदेशी प्रतिभागियों की भागीदारी सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। जून में भारतीय सेना के साथ बदरीनाथ एवं माणा में देवभूमि कल्चरल फेस्टिवल के द्वितीय संस्करण का आयोजन होगा। साथ ही 80 के दशक में कुमाऊं और गढ़वाल के बीच आयोजित होने वाली प्रसिद्ध हिमालयन कार रैली को भी इस वर्ष पुनः शुरू करने की योजना है।

मुख्यमंत्री धामी ने बॉडी बिल्डर प्रतिभा थपलियाल को किया सम्मानित

– मातृशक्ति के उत्कर्ष और महिला सशक्तिकरण की प्रेरक मिसाल बनीं प्रतिभा

देहरादून संवाददाता. मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड की बेटी एवं अंतरराष्ट्रीय महिला बॉडीबिल्डर प्रतिभा थपलियाल को बॉडीबिल्डिंग क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने उन्हें शॉल ओढ़ाकर एवं गमला भेंट कर सम्मान प्रदान किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रतिभा थपलियाल की उपलब्धियों को उत्तराखंड की मातृशक्ति के गौरव तथा महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक सशक्त और प्रेरणादायक कदम बताया। उन्होंने कहा कि प्रतिभा की सफलता से प्रदेश, विशेषकर दूरस्थ पर्वतीय क्षेत्रों में रहने वाली बेटियों को खेल सहित विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। मातृशक्ति अब खेलों के साथ-साथ अन्य विविध क्षेत्रों में भी अपने कैरियर की संभावनाएं तलाश रही हैं, जो प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य का संकेत

है।मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड की भूमि मातृप्रधान रही है तथा पहाड़ की महिलाएं कृषि, सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन की धुरी रही हैं। समय-समय पर उत्तराखंड की महिलाओं ने पर्यावरण संरक्षण, समाज सेवा, खेल और सुशासन के क्षेत्र में देश-दुनिया का मार्गदर्शन किया है। हमें अपनी मातृशक्ति पर गर्व है।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की ऐसी प्रतिभाशाली महिलाएं जो विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां अर्जित कर रही हैं, उन्हें राजकीय सेवा में अवसर प्रदान करने का भी प्रयास किया जाएगा, ताकि वे समाज के लिए प्रेरणा स्रोत बन सकें।राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभा का परचम43 वर्षीय प्रतिभा थपलियाल की प्रमुख उपलब्धियां (पिछले चार वर्षों में):वर्ष 2023 में राष्ट्रीय बॉडीबिल्डिंग चौंपियनशिप में स्वर्ण पदक।एशियाई बॉडीबिल्डिंग चौंपियनशिप में कांस्य पदक।9 फरवरी 2026 को तेलंगाना के करीमनगर में आयोजित राष्ट्रीय महिला बॉडीबिल्डिंग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक।प्रतिभा थपलियाल बॉडीबिल्डिंग क्षेत्र में महिला विश्व चौंपियनशिप एवं एशिया चौंपियनशिप में पदक जीतने वाली महिला बॉडीबिल्डर हैं। उनकी यह उपलब्धि न केवल राज्य बल्कि पूरे देश के लिए गौरव का विषय है।प्रदेश सरकार महिला खिलाड़ियों को हर संभव प्रोत्साहन एवं सहयोग प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि उत्तराखंड की बेटियां राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर निरंतर सफलता का परचम लहराती रहें।इस दौरान राज्य आंदोलनकारी रविंद्र जुगरान भी उपस्थित थे।

अपराध के प्रति शून्य सहनशीलता की नीति पर सरकार पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही

देहरादून संवाददाता. उत्तराखंड में हाल के दिनों में सामने आई आपराधिक घटनाओं को लेकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गंभीर रुख अपनाया है। मुख्यमंत्री ने पहले भी कानून-व्यवस्था की लगातार समीक्षा बैठकों के माध्यम से अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए थे और स्पष्ट किया था कि अपराध के प्रति शून्य सहनशीलता की नीति पर सरकार पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। हाल की घटनाओं के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को समयबद्ध तरीके से गिरफ्तार किया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि अपराध की रोकथाम के लिए केवल घटनाओं के बाद कार्रवाई ही नहीं, बल्कि पूर्व-निवारक रणनीति भी मजबूत की जाए। इसी क्रम में पुलिस विभाग में प्रशासनिक स्तर पर आवश्यक तबादले किए गए हैं। यह कदम पुलिस व्यवस्था को और अधिक सक्रिय, जवाबदेह और प्रभावी बनाने की दिशा में उठाया गया है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने की राजनैतिक दलों के साथ बैठक

– राजनैतिक दलों से फरवरी माह तक शत प्रतिशत बीएलए नियुक्त करने की अपील

– राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ की गई विभिन्न विषयों पर चर्चा

देहरादून संवाददाता. मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. बीवीआरसी पुरुषोत्तम की अध्यक्षता में शुक्रवार को सचिवालय में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनैतिक दलों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में राष्ट्रीय राजनैतिक दलों के पदाधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक के दौरान राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण, बीएलओ आउटरीच अभियान,बूथ लेवल एजेंट्स की शत प्रतिशत नियुक्ति के सम्बंध में विस्तृत चर्चा की गई।मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. बीवीआरसी पुरुषोत्तम ने कहा कि आगामी एसआईआर की तैयारियों को लेकर पूरे प्रदेश में बीएलओ द्वारा आउटरीच अभियान के तहत वर्ष 2003 की मतदाता सूची से वर्तमान मतदाताओं की मैपिंग की जा रही है। वर्तमान में प्रदेश में 79 प्रतिशत मैपिंग की जा चुकी है। उन्होंने राजनैतिक दलों से अपील करते हुए कहा कि देहरादून, हरिद्वार, उधमसिंह नगर और नैनीताल में बीएलए के सहयोग से मैपिंग प्रक्रिया और तेजी से की जा सकती है।मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. पुरुषोत्तम ने बताया कि वर्तमान में राजनैतिक दलों द्वारा 15437 बूथ लेवल एजेंट्स की जा चुकी है। जिसमें भाजपा द्वारा 7165, कांग्रेस द्वारा 7968, बीएसपी द्वारा 117, सीपीआई (एम) द्वारा 187 बीएलए नियुक्त किए गए हैं, इसके अतरिक्त आप और एनपीपी द्वारा अभी एक भी बीएलए अबतक नियुक्त नहीं किया गया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सभी राजनैतिक दलों से फरवरी माह तक शत प्रतिशत बीएलए नियुक्त करने की अपील की।

संक्षिप्त समाचार...

डॉ. सीपी रतूड़ी ईएमए के जिला अध्यक्ष, डॉ. आदर्श महामंत्री

देहरादून संवाददाता. उत्तरांचल प्रेस क्लब में ईएमए (इलेक्ट्रोहोम्योपैथी मेडिकल एसोसिएशन) देहरादून की नवनिर्वाचित जिला कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह हुआ। राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. केपीएस चौहान ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। उन्होंने चिकित्सकों का आह्वान करते हुए कहा कि मरीज के लिए डॉक्टर भगवान का रूप होता है, इसलिए मरीजों के साथ मधुर व्यवहार और बेहतर संवाद रखना चाहिए। डॉ. सीपी रतूड़ी को जिला अध्यक्ष, डॉ. एमएस कश्यप व डॉ. कैलाश बड़थवाल को उपाध्यक्ष और डॉ. आदर्श शर्मा को जिला महामंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई। अब्दुल गफूर को जिला सचिव, डॉ. कमलेश खंडूड़ी को जनपद प्रभारी, डॉ. श्रवण कुमार को संगठन मंत्री और डॉ. बिवस अधिकारी को जिला मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। संचालन केंद्रीय कार्यालय प्रभारी डॉ. ऋचा आर्य ने किया।

वर्षवार भर्ती की मांग पर नर्सिंग बेरोजगारों में आक्रोश

देहरादून संवाददाता. नर्सिंग बेरोजगारों का वर्षवार भर्ती की मांग को लेकर धरना शुक्रवार को को 71वें दिन भी जारी रहा। सरकार की ओर से कोई ठोस पहल न होने से नाराज बेरोजगारों ने आंदोलन को उग्र रूप देने की चेतावनी दी है। प्रदर्शनकारी राजेंद्र कुकरेती और प्रवेश रावत ने कहा कि हजारों प्रशिक्षित युवा वर्षों से रोजगार की राह देख रहे हैं। यदि सरकार ने जल्द वर्षवार भर्ती प्रणाली बहाल कर न्याय नहीं किया, तो आंदोलन व्यापक होगा। मौके पर मुकेश रमोला, आरती व्यास, उपेंद्र और कुलदीप आदि मौजूद रहे।

सहिष्णुता और सेवाभाव पैदा करती है हिन्दूत्व की भावना: प्रेमचंद

ऋषिकेश संवाददाता. विधायक प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा कि भारत की सनातन संस्कृति और हिंदुत्व की परंपरा विश्व को "वसुधैव कुटुम्बकम्" का संदेश देती है। समाज की एकता ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। जब-जब हिंदू समाज संगठित हुआ है, तब-तब राष्ट्र ने नई ऊंचाइयों को प्राप्त किया है। ऐसे में सनातन धर्म की रक्षा के लिए एकजुट होना जरूरी है। ये बातें उन्होंने शुक्रवार को आरएसएस के शताब्दी वर्ष पर आवास-विकास में आयोजित विराट हिंदू सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि हिंदू समाज किसी के विरोध में नहीं, बल्कि सकारात्मक विचारधारा, सहिष्णुता और सेवा भाव के साथ आगे बढ़ने में विश्वास रखता है। वर्तमान समय में कुछ असामाजिक एवं विधर्मी तत्व हिंदुत्व के विरुद्ध भ्रम फैलाने और समाज को विभाजित करने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे प्रयासों का हमें संयम, मर्यादा और लोकतांत्रिक मूल्यों के दायरे में रहकर दृढ़ता से सामना करना होगा। उन्होंने उपस्थित जनसमूह से आह्वान किया कि सामाजिक सद्भाव, संस्कार, राष्ट्रभक्ति और सांस्कृतिक गौरव को मजबूत करने के लिए संगठित प्रयास किए जाएं। इस दौरान विधायक ने उत्कृष्ट कार्य के लिए भारत माता का चित्र देकर संतों एंव आदर्श परिवारों के मुखियाओं को सम्मानित किया।

स्नातक दिवस एवं विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया

ऋषिकेश संवाददाता. ऋषिकेश इंटरनेशनल स्कूल में स्नातक दिवस एवं विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। रिधान को मास्टर यूकेजी और आयुश्री को मिस यूकेजी चुना गया। वहीं विज्ञान प्रदर्शनी में चंद्रयान, वाटर फिल्टरेशन प्रोसेस आदि के मॉडल प्रस्तुत किए गए। शुक्रवार को ढालवाला स्थित ऋषिकेश इंटरनेशनल स्कूल में एलकेजी व यूकेजी के छात्र-छात्राओं के लिए श्स्नातक दिवसश का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ विद्यालय प्रबंधक मोहन डंग व सचिव कैप्टन सुमंत डंग ने किया। कार्यक्रम के शुभारंभ पर देहरादून से आए जादूगर राम ने कपड़े द्वारा तलवार बनाकर, ग्लास में रुमाल डालकर जिंदा खरगोश निकाल और सफेद रुमाल से जिंदा कबूतर निकालकर बच्चों को मनोरंजित किया। उसके बाद कक्षा एलकेजी के छात्र-छात्राओं ने संगठित रूप मैं हूं तितली..., आज है संडे... आदि गीत पर नृत्य की प्रस्तुति दी। कक्षा यूकेजी की छात्रा वेदवानी किंसुर ने अप्सराली, अप्सराली. .., छात्रा आयुश्री ने धना धना रे... गीत पर नृत्य किया।

हिन्दी दैनिक जोखिम

जनसुनवाई कार्यक्रम में आयुक्त/ सचिव मा0 मुख्यमंत्री दीपक रावत ने जनता की समस्याएं सुनी

हल्द्वानी संवाददाता. समस्याओं में भूमि विवाद, धोखाधड़ी से धनराशि हडपने, अवैध निर्माण, पारिवारिक विवाद,पेयजल, विकलांगता प्रमाण पत्र जैसे गम्भीर मामलों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए संबंधित को निर्देश दिए गए हल्द्वानी कैम्प कार्यालय में आयोजित जनता मिलन कार्यक्रम के दौरान कुमाऊं आयुक्त ने जनता द्वारा रखे गए विभिन्न प्रकरणों पर सुनवाई की और कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया गया। इस दौरान शिकायतकर्ता देवनाथ मिश्रा सुल्तानपुर पट्टी बाजपुर निवासी के पेंशन का प्रकरण सामने आया उक्त प्रकरण का मौके पर निस्तारण करते हुए कार्यवाही कराई गई। इसी प्रकार दुर्गा कोरंगा जेल रोड हल्द्वानी द्वारा पारिवारिक परेशानी संबंधित मामला रखा गया जिस पर मौके पर ही सुलह समझौते से मामले का निस्तारण किया गया। इस दौरान लोहरियासाल ऊंचापुल निवासी सुनीता सागुड़ी द्वारा संपत्ति बंटवारे को लेकर अपनी समस्या रखी जिसका त्वरित निस्तारण हेतु तहसीलदार हल्द्वानी को निर्देश दिए। शिकायतकर्ता जयश्री जोशी मल्ला ऊंचापुल द्वारा जमीनी विवाद का मामला रखा गया जिसका निस्तारण तहसीलदार हल्द्वानी को करने के निर्देश दिए गए। शिकायतकर्ता त्रिलोचन निवासी ओखलकांडा द्वारा जन जन की सरकार में दिव्यांग प्रमाण पत्र हेतु जांच कराने के उपरांत अभी तक दिव्यांग प्रमाण पत्र उपलब्ध न कराने की शिकायत की गई, इस संबंध में तुरंत ही स्वास्थ्य विभाग के

माध्यम से संबंधित पात्र व्यक्ति को दिव्यांग प्रमाण पत्र उपलब्ध कराया गया। जिन्होंने आयुक्त का आभार व्यक्त किया।

शिकायतकर्ता नसीमा पत्नी नन्हे शाह संतोषपुर बाजपुर ने अवगत कराया कि उनके द्वारा गांव के एक व्यक्ति से 2 वर्ष के लिए व्याज पर धनराशी ली गई थी जिसके बदले जमीन की रजिस्ट्री गिर्वी रखी थी सम्पूर्ण धनराशि वापस करने के बाद भी सम्बंधित व्यक्ति भूमि के कागज वापस नहीं दे रहा है, इस संबंध में आयुक्त द्वारा तहसीलदार बाजपुर और थाना प्रभारी बाजपुर को आज ही संबंधित विधवा महिला को संबंधित व्यक्ति से जमीन के मूल दस्तावेज वापस दिलाने के निर्देश देते हुए संबंधित के खिलाफ कार्यवाही के भी निर्देश दिए। शिकायतकर्ता राम प्रसाद पुत्र विष्णु प्रसाद निवासी लालकुआं द्वारा शिकायत दर्ज की गई उन्होंने अवगत कराया कि उनका एक माह का विद्युत बिल घ26000 विद्युत विभाग द्वारा दिया गया,इस संबंध में मौके पर विद्युत विभाग से आए अधिकारी द्वारा अवगत कराया कि मीटर खराब होने के कारण रीडिंग अधिक आ गई थी जिसे ठीक कर लिया गया है, अब बिल 8000 रुपये था जिसे उपभोक्ता द्वारा जमा भी कर लिया गया है। शिकायतकर्ता राधा बिष्ट निवासी लामाचौड़ हल्द्वानी ने ने पैतृक संपत्ति में हिस्सा न दिए जाने की शिकायत दर्ज की इस संबंध में कुमाऊँ आयुक्त द्वारा तहसीलदार हल्द्वानी को उक्त प्रकरण का निस्तारण करने के निर्देश दिए। शिकायतकर्ता आदेश कुमार टंडन निवासी नया बाजार हल्द्वानी ने बैंक में ऋण चुकाने बावजूद भी ऋण के एवज में बंधक रखी भूमि को मुक्त करने की शिकायत दर्ज की जिसका निस्तारण करने के आदेश संबंधित बैंक प्रबंधक व तहसीलदार हल्द्वानी को दिए गए।हल्द्वानी कैंप कार्यालय में आयोजित जनता मिलन कार्यक्रम के दौरान आयुक्त ने जनता द्वारा रखे गए विभिन्न प्रकरणों पर सुनवाई की और कई मामलों में मौके पर ही स्वत संज्ञान लेकर समाधान किया।

महानगर टैंट व्यापार एसोसिएशन, हल्द्वानी द्वारा जिला सम्मेलन का आयोजन

हल्द्वानी संवाददाता. सम्मेलन में संगठन के माननीय प्रदेशाध्यक्ष दाऊ दयाल अग्रवाल वृंदावन टैंट हरिद्वार एवं प्रदेश महामंत्री सुभाष गुप्ता जी देहरादून से मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम के दौरान जिला कार्यकारिणी का गठन भी किया जाएगा।सम्मेलन में जिला नैनीताल के अंतर्गत आने वाले विभिन्न क्षेत्रोंख्रामनगर, कोटाबाग, कालाढूंगी, बैलपड़ाव, लालकुआं, हल्दूचौड़, मोटाहल्दू, भीमताल, चोरगलिया, नैनीताल, खैरना, गर्मपानी, भवाली, खनस्यूं, पतलोट, रामगढ़, मुक्तेश्वर, बेतालघाट, गौलापार एवं बिन्दुखत्ताख्र के टैंट व्यापारी प्रतिभाग करेंगे।

बैठक में टैंट व्यापार से जुड़ी वर्तमान समस्याओं, चुनौतियों एवं उनके समाधान पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। आज दिनांक 13 फरवरी को उक्त सम्मेलन को सफल बनाने हेतु महानगर हल्द्वानी के पदाधिकारियों की बैठक हुई, जिसमें चेयरमैन प्रकाश भट्ट, महामंत्री लक्ष्मण सिंह बिस्ट,कोषाध्यक्ष चंदन साह,मनोज कपिल,नवीन बोहरा, गोपाल भट्ट, योगेश तिवाड़ी, ब्रिजेश कुमार, चंदन मेहता आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे।उक्त जानकारी महानगर अध्यक्ष हर्ष वर्द्धन पांडे ने दी।महानगर टैंट व्यापार एसोसिएशन सभी संबंधित व्यापारियों से अनुरोध करता है कि वे समय से उपस्थित होकर सम्मेलन को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करें।

बीएसएफ जवान की पत्नी के साथ आठ लाख की ठगी

-पहले 95 हजार टैक्स जमा करने के लिए खाता नम्बर दिया।

-बाद में सीबीआई जांच व पति को नौकरी से बर्खास्त करने की धमकी देकर कुल आठ लाख ठगे

-1.80 लाख की और डिमांड के बाद साइबर क्राइम को दी सूचना

सितारगंज, संवाददाता बीएसएफ जवान की पत्नी के साथ आठ लाख की ठगी की गयी। और डिमांड होने पर महिला को ठगी का अहसास हुआ। महिला ने साइबर सेल अधिकारी को सूचना दी। साइबर सेल की प्राथमिक जांच के बाद महिला की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है।

हरविन्दर कौर पत्नी गुरदेव सिंह निवासी पिपलिया शक्तिफार्म ने साइबर सेल अधिकारी रुद्रपुर को दी गयी तहरीर में कहा है कि 18 दिसम्बर 25 को उसके फोन पर अज्ञात नम्बर से 95 हजार रुपये टैक्स का भुगतान करने के लिए कहा गया। जिसका बिल पर भेजा गया। हरविंदर कौर के अनुसार फोनकर्ता के बताये गये विभिन्न खातों में भुगतान कर दिया। हरविंदर कौर के अनुसार दो अलग-अलग फोन नंबरों से लगातार फोन आते रहे। जिसमें उन्हें धमकी देते रहे। कहा गया कि उनके परिवार के विरुद्ध सीबीआई जांच शुरू हो गयी है। उनके बीएसएफ में तैनात पति को नौकरी से बर्खास्त किया जा रहा है। सीबीआई के अधिकारी मीडिया लेकर उसके घर आ रहे है। इनसे बचने के लिए उनके विभिन्न खातों में 24 दिसम्बर 25 तक कुल आठ लाख का भुगतान किया गया। है। 24 दिसम्बर25 को फिर 1.80 लाख रुपये की मांग की गयी। हरविंदर कौर ने डरा धमका कर ठगी व धोखाधड़ी कर आरोप लगाया है। उन्होंने सभी लेन-देन के खतों का विवरण भी साइबर सेल को सौंपे हैं। सीओ बीएस धौनी ने बताया कि हरविंदर कौर की तहरीर पर गुरुवार को पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कैबिनेट मंत्री के अनुरोध पर उप जिला चिकित्सालय में ओएनजीसी से सर्जरी उपकरण मिले

-ओएनजीसी से सीएसआर मद में दिये ऑपरेशन व थियरेपी के उपकरण।

-ऑपरेशन के लिए अब रेफर नहीं करेगा अस्पताल।

-मंत्री बहुगुणा ने कहा कि अन्य चिकित्सा उपकरण व रिक्त पदों पर विशेषज्ञ चिकित्सकों की जल्द होगी तैनाती।

सितारगंज, संवाददाता। सितारगंज उप जिला चिकित्सालय में अब ऑपरेशन व फीजियो थेरेपी की सुविधायें मिलेंगी। कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा के ओएनजीसी के चेयरमैन व डायरेक्टर से किये अनुरोध पर ओएनजीसी ने सीएसआर मद से उपकरण उप जिला चिकित्सालय को सौंपे हैं।कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने सितारगंज सीएचसी को उप जिला चिकित्सालय में उच्चीकृत कराया। बालाजी एक्शन कंपनी के सहयोग से सीएसआर मद से करीब 10 करोड़ की लागत से नया भवन व चिकित्सा उपकरण समेत 90 बेड का अस्पताल तैयार किया गया। यहां सर्जन, हड्डी रोग विशेषज्ञ, दंत्य रोग विशेषज्ञ, एनेस्थीसिया समेत विशेषज्ञ पदों पर नियुक्ति करायी। अस्पताल में अल्ट्रासाउंड मशीन व एक्सरे मशीन भी सीएसआर मद से मुहैय्या कराये। विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती के बाबजूद उपकरणों के अभाव में ऑपरेशन सुविधायें शुरू नहीं हो पा रही थी।सीएमओ डॉ केके अग्रवाल ने बताया कि ओएनजीसी की ओर से सीएसआर मद से दिये गये चिकित्सा उपकरण उप जिला चिकित्सालय सितारगंज को मिल गये हैं। सीएमएस डॉ कुलदीप यादव ने उपकरण प्राप्त कर लिये हैं। उन्होंने बताया कि मेजर एवं माइनर सर्जरी इंस्ट्रूमेंट सेट,

लैप्रोस्कोपी सेट, हर्निया सेट, इलेक्टोकॉटरी मशीन, शॉर्ट वेव डायथर्मी, अल्ट्रासोनिक थेरेपी यूनिट, नर्व स्टिमुलेटर, इन्फ्रारेड थेरेपी यूनिट, शोल्डर व्हील, 12 चौनल ईसीजी मशीन, हाइड्रोलिक ऑपरेशन टेबल, लेबर टेबल, कार्डियक मॉनिटर तथा अन्य आवश्यक उपकरण मिल गये हैं। इससे सितारगंज उप जिला चिकित्सालय में सर्जिकल सेवाओं का सुदृढ़ीकरण होगा। मेजर एवं माइनर सर्जरी सेट, लैप्रोस्कोपी सेट एवं हर्निया सेट से सामान्य एवं आपातकालीन शल्य क्रियाएं अधिक प्रभावी ढंग से की जा सकेंगी। ऑपरेशन थिएटर की गुणवत्ता में वृद्धि होगी। इलेक्ट्रोकॉटरी मशीन एवं हाइड्रोलिक ओटी टेबल से सुरक्षित एवं आधुनिक शल्य चिकित्सा संभव होगी। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार: नई लेबर टेबल से प्रसव सेवाएं अधिक सुगम एवं सुरक्षित होंगी। हृदय रोगियों की बेहतर निगरानी होगी। 12 चौनल ईसीजी मशीन एवं कार्डियक मॉनिटर से हृदय संबंधी रोगों की शीघ्र पहचान एवं निरंतर मॉनिटरिंग संभव होगी।

हिन्दी दैनिक जोखिम

आयशा शर्मा की क्रिएटिव यात्रा में नया मोड़: अब बनीं लेखिका भी अभिनेत्री

आयशा शर्मा अपनी रचनात्मक पहचान को एक नया आयाम दे रही हैं। अब वे पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया के साथ बतौर लेखिका डेब्यू कर रही हैं। सोशल मीडिया पर अपनी दमदार मौजूदगी और एक गहराई से जुड़ी कम्युनिटी के लिए जानी जाने वाली आयशा शर्मा ने धीरे-धीरे अपनी एक अलग आवाज बनाई है, जो सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं है। इस किताब के जरिए वह अभिव्यक्ति का एक और रास्ता तलाश रही हैंक्एक ऐसा रास्ता जो ठहराव, आत्मचिंतन और भावनात्मक ईमानदारी को जगह देता है। उनकी पहली किताब सौ छोटे-छोटे ध्यानपूर्ण विचारों का संग्रह है, जो ताकत, कोमलता और आत्म-प्रेम के इर्द-गिर्द बुना गया है। रोजमर्रा की भावनाओं से जुड़ी यह किताब खास तौर पर उन लोगों के लिए है जो थकान, आत्म-संदेह और हर वक्त खुद को साबित करने के दबाव से जूझ रहे हैं। यह किताब हल देने का दावा नहीं करती, बल्कि एक ऐसा स्पेस बनाती है जहाँ पाठक खुद को पहचान सकें और एक सुकून भरी तसल्ली महसूस कर सकें। किताब के पीछे की भावना साझा करते हुए आयशा शर्मा कहती हैं, मेरा मानना है कि सही किताब आपको सही समय पर मिलती है। उम्मीद है यह किताब आपको तब मिले जब आपको इसकी सबसे ज्यादा जरूरत हो। और जब मिले, तो आपको ऐसा महसूस हो जैसे किसी ने चुपचाप आपको गले लगा लिया हो। मेरे पास सारे जवाब नहीं हैं, लेकिन अगर मेरी लिखी बातों में आपको लगे कि श्ये तो वही एहसास है जिसे मैं हमेशा महसूस करती थी, पर शब्द नहीं दे पाती थी, तो मेरे लिए वही काफी है।

आयशा शर्मा के लिए लेखन उनकी डिजिटल मौजूदगी का स्वाभाविक विस्तार है, जहाँ आत्म-विकास, भावनात्मक संतुलन और अंदरूनी सफर जैसे विषय पहले से ही उनके दर्शकों से गहराई से जुड़ते हैं। यह नया अध्याय उनकी उस कोशिश को दर्शाता है जिसमें वह अभिनय, डिजिटल कहानी कहने और अब लेखनक्षेत्रों के बीच सहजता से सफर करती हुई एक मुकम्मल क्रिएटिव पहचान गढ़ रही हैं।

महावतार में ऐसा होगा विक्की कौशल का लुक, फिल्म पर आई ये जानकारी

विक्की कौशल के लिए साल 2025 सबसे शानदार रहा। उनकी एतिहासिक पीरियड-ड्रामा फिल्म छावा ने बॉक्स ऑफिस पर 800 करोड़ कमाते हुए जो रिकॉर्ड कायम किया, उसके चर्चे पूरे साल देखने को मिले। फिलहाल अभिनेता संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर की तैयारी में जुटे हुए हैं। इस बीच, उनकी एक और बहुप्रतीक्षित फिल्म महावतार पर अपडेट आ गया है जिसमें उन्हें भगवान विष्णु के छठे अवतार चिरंजीवी परशुराम के किरदार में देखा जाएगा।विक्की की फिल्म महावतार एक पौराणिक महाकाव्य होने वाली है, जिसके निर्देशन की कमान स्त्री वाले निर्देशक अमर कौशिक ने संभाली है।रिपोर्ट के मुताबिक, अभिनेता को जिम में काफी पसीना बहाना होगा क्योंकि भगवान परशुराम का किरदार निभाने के लिए उन्हें अपने शरीर को गठीला बनाना होगा। छावा से अंदाजा लगाया जा सकता है कि विक्की बड़ी-बड़ी भूमिकाओं में सहजता से ढल जाते हैं। इसलिए महावतार में उनकी महत्वाकांक्षी भूमिका देखने के लिए फैंस उत्साहित हैं।सूत्र ने बताया, अभिनेता अभी अपनी शारीरिक तैयारी शुरू नहीं कर सकते क्योंकि वे लव एंड वॉर की शूटिंग कर रहे हैं, जिसमें उनका एथलेटिक लुक है। महावतार के लिए उन्हें पहलवान जैसी मजबूत काया बनानी होगी।

बॉक्सिंग ग्लव्स पहनकर रिंग में उतरीं फातिमा सना शेख, दिखाया फुल पावर अवतार

बाल कलाकार के रूप में अपने करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री फातिमा सना शेख अपनी फिल्मों और सोशल मीडिया पोस्ट से दर्शकों का खास ध्यान खींचती हैं। उन्होंने मंगलवार को एक मजेदार पोस्ट किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। इन तस्वीरों में वे बॉक्सिंग ग्लव्स पहने हुए नजर आ रही हैं, जबकि कुछ में वे रिंग के अंदर आत्मविश्वास से भरे पोज देती दिख रही हैं। उनका पूरा लुक काफी पावरफुल और एनर्जेटिक लग रहा है, लेकिन अभिनेत्री की आखिरी स्लाइड काफी मजेदार है, जिसमें उन्होंने बॉक्सिंग के महान खिलाड़ी अमेरिका के प्रोफेशनल बॉक्सिंग चौंपियन मोहम्मद अली की एक आइकॉनिक तस्वीर लगाई है। अभिनेत्री ने लिखा, तितली की तरह हल्के रहो, और मधुमक्खी की तरह वार करो, मुहम्मद।फातिम ने अपनी इस पोस्ट के जरिए न सिर्फ अपनी फिटनेस को दर्शाया है बल्कि मोहम्मद अली के इंस्पिरेशन कोट्स को भी दिखाया है। अभिनेत्री का पोस्ट फैंस को काफी पसंद आ रहा है। वे कयास लगा रहे हैं कि आने वाली फिल्म में शायद वे बॉक्सिंग की भूमिका में होंगी।1997 में फिल्म चाची 420 में बाल कलाकार के रूप में शुरुआत करने वाली फातिमा सना ने बॉलीवुड में कई यादगार फिल्मों में काम किया है, जिनमें लूडो, अजीब दास्तां, और सैम बहादुर शामिल हैं। अभिनेत्री सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर ऐसे पोस्ट शेयर करती हैं, जो मोटिवेशनल और मजेदार होते हैं।फातिमा इन दिनों कई प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही हैं, जिसका खुलासा जल्द ही होगा। इससे पहले वे विजय वर्मा के साथ फिल्म गुस्ताख इश्क में नजर आई थीं। फिल्म में दोनों के अलावा, अभिनेता नसीरुद्दीन शाह और प्रतिभाशाली कलाकार शारिब हाशमी भी अहम रोल में थे।फिल्म को लेकर दर्शकों की तरफ से मिली-जुली प्रतिक्रिया आई थी और बॉक्स ऑफिस पर भी ज्यादा कमाई नहीं कर पाई थी। हालांकि, शुरुआत में फिल्म को लेकर सोशल मीडिया पर काफी क्रेज देखा गया था।

भारत में पीली के साथ-साथ मिलती है नीली हल्दी, जानिए इस दुर्लभ मसाले के फायदे

नीली हल्दी एक दुर्लभ मसाला है, जो भारत में हाल ही में लोकप्रिय हुआ है। यह न केवल खाने का रंग बदलता है, बल्कि इसमें कई औषधीय गुण भी होते हैं। नीली हल्दी को इसका नीला रंग इसके प्रकंदों में मौजूद प्राकृतिक वर्णक पदार्थों से मिलता है। यह खास तौर से उत्तर-पूर्वी भारत में उगाई जाती है और इसे आप बिना चिंता के खान-पान में शामिल कर सकते हैं। आइए इस दुर्लभ मसाले के मुख्य लाभों पर नजर डालते हैं।सूजन को कम करने में है कारगरनीली हल्दी में एक खास तत्व पाया जाता है, जो सूजन को कम करने में मदद करता है। यह तत्व जोड़ों के दर्द, हड्डियों की समस्याओं और अन्य सूजन संबंधी बीमारियों के इलाज में भी सहायक हो सकता है। इसके अलावा इस खास हल्दी का सेवन चोट या संक्रमण के कारण होने वाली सूजन को भी कम कर सकता है। नियमित रूप से इसका उपयोग करने से शरीर की सूजन कम होती है और दर्द में भी राहत मिलती है।त्वचा के लिए है लाभकारीनीली हल्दी त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद होती है। इसमें मौजूद गुण त्वचा को साफ-सुथरा और चमकदार बनाते हैं। यह मुंहासे, दाग-धब्बे और झुर्रियों को कम करने में सहायता कर सकती है। इसके अलावा यह त्वचा की नमी बनाए रखती है और उसे मुलायम बनाती है। नियमित रूप से नीली हल्दी का उपयोग करने से त्वचा की रंगत भी सुधरती है और त्वचा की देखभाल करना भी आसान हो जाता है। इसे चेहरे पर पैक के रूप में लगाएं।पाचन तंत्र को सुधारने में है मददगारनीली हल्दी पाचन तंत्र को सुधारने में भी सहायक होती है। इसमें मौजूद गुण पेट की समस्याओं को दूर करते हैं और पाचन क्रिया को सुधारते हैं। यह कब्ज, गैस और पेट दर्द जैसी समस्याओं से राहत दिलाने में मदद करती है। इसके अलावा नीली हल्दी का सेवन करने से पेट की सफाई होती है और उसे स्वस्थ बनाए रखने में मदद मिलती है। इसे चाय या दूध में मिलाकर पीना फायदेमंद हो सकता है।रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में है सहायकनीली हल्दी शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में भी मददगार साबित होती है। इसमें मौजूद तत्व शरीर को संक्रमण से लड़ने में सक्षम बनाते हैं और प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करते हैं। नियमित रूप से इसका सेवन करने से आप सर्दी-खांसी और बुखार आदि जैसी सामान्य समस्याओं से बच सकते हैं। यह मसाला आपके शरीर को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और आपको बीमारियों से दूर रखता है। कैंसर का जोखिम कम करने में है सहायक नीली हल्दी कैंसर के खतरे को कम करने में भी मदद कर सकती है।

हिन्दी दैनिक जोखिम

सचिव दिलीप जावलकर की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की 95वीं बैठक सम्पन्न

- वित्तीय वर्ष 2025-26 की प्रगति की समीक्षा, प्राथमिकता क्षेत्र में 58% उपलब्धि

देहरादून संवाददाता. सचिवालय सभागार में सचिव दिलीप जावलकर की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (स्ठब) की 95वीं बैठक आयोजित हुई। बैठक में राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा प्रायोजित ऋण योजनाओं के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में 30.09.2025 तक की प्रगति की समीक्षा की गई।

सीडी रेशियो बढ़ाने और डिजिटल फ्रॉड पर सख्ती के निर्देश कम सीडी रेशियो वाले जनपदों को तत्काल सुध ार के निर्देश सचिव ने जिन जनपदों का सीडी (क्रेडिट-डिपॉजिट) रेशियो कम है, उन्हें तत्काल सुधार कर अनुपात बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने डिजिटल फ्रॉड एवं साइबर सुरक्षा के मामलों पर गंभीरता से कार्रवाई करने को कहा तथा संबंधित एनफोर्समेंट एजेंसियों के समन्वय से लोगों को ऑनलाइन ठगी से बचाने एवं जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य में वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देने हेतु आरसेटी, एसएलआरएम, पीएमकेवीवाई एवं एनजीओ के माध्यम से जागरूकता कैंप चलाएं।डिजिटलाइजेशन एवं सामाजिक समावेशन पर विशेष जोर31 मार्च 2026 तक 100% डिजिटलीकरण का लक्ष्य सचिव ने निर्देशित किया कि जिन 9 जनपदों में अभी तक शत-प्रतिशत डिजिटलीकरण नहीं हुआ है, वहां 31 मार्च 2026 तक पूर्ण डिजिटलीकरण सुनिश्चित किया जाए। वर्तमान में अल्मोड़ा, चमोली, पिथौरागढ़ एवं पौड़ी जनपदों में पूर्ण डिजिटलीकरण हो चुका है। राज्य में 5,77,073 किसानों को सितंबर 2025 तक किसान क्रेडिट कार्ड जारी किए गए हैं पशुपालन हेतु 1,08,514 पशुपाल कों तथा मत्स्य पालन हेतु 2,947 मत्स्य पालकों को भी केसीसी जारी किए गए हैं। सितंबर 2025 तक 40,23,448 पीएमजेडीवाई खाते तथा 9,30,058 एपीवाई खाते खोले गए हैंस्वरोजगार, कौशल विकास और ट्रांसजेंडर सशक्तिकरण पर पहल

बाजार उन्मुख प्रशिक्षण और रोजगार से जोड़ने के निर्देशसचिव ने बैंकों एवं संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि ट्रांसजेंडर समुदाय को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए विशेष ऋण योजनाएं तैयार की जाएं। आर-सेटी के माध्यम से संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों को भविष्य की बाजार एवं उद्योगों की मांग के अनुरूप तैयार करने के निर्देश दिए गए। साथ ही प्रशिक्षित युवाओं को रोजगार प्रदाता कंपनियों से टाई-अप कर रोजगार उपलब्ध कराने पर बल दिया गया। प्राथमिकता क्षेत्र के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्य 55,174 करोड़ के सापेक्ष बैंकों द्वारा 31,994 करोड़ (58%) की प्रगति दर्ज की गई। शिक्षा ऋण योजना के तहत 8,850 आवेदकों को 202.82 करोड़ का ऋण वितरित किया गया।बैठक में विभिन्न योजनाओं की प्रगति इस प्रकार रही पीएम स्वनिधि : लक्ष्य 40,005 करोड़ के सापेक्ष 42,861 करोड़ (107%)ए. आई.एफ: 157 करोड़ लक्ष्य के सापेक्ष 432.52 करोड़ (77%) पीएम अजय: 166 करोड़ के सापेक्ष 78 करोड़ (47%)मुद्रा योजना: 4010 करोड़ लक्ष्य के सापेक्ष 1686 करोड़ (42%)वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली वाहन योजना: 150 करोड़ के सापेक्ष 60 करोड़ (40%)वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली गैर-वाहन योजना: 100 करोड़ के सापेक्ष 34 करोड़ (34%)दीनदयाल उपाध्याय होमस्टे योजना: 245 करोड़ के सापेक्ष 61करोड़ (25%)एमएसएमई 2.0 योजना: 8000 करोड़ के सापेक्ष 1744 करोड़ (22%)बैठक में अपर सचिव डॉ. आनंद श्रीवास्तव, श्री हिमांशु खुराना, श्री अभिषेक रोहेला, श्री प्रकाश चंद्र, सुश्री झरना कमठान, आरबीआई के क्षेत्रीय निदेशक श्री अरविंद कुमार, एजीएम श्री दीपक मंमगाई, श्री पंकज यादव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मानवता और संवेदना की मिसालः सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर ने मुख्यमंत्री राहत कोष में दिया 10 लाख का योगदान

- आपदा पीड़ितों और वंचित बच्चों के लिए पूर्व सैनिक का अनुकरणीय सहयोग

देहरादून संवाददाता. लोगों के सुख-दुख में सहभागी बनने और समाज के प्रति दायित्व निभाने वालों की आज भी कोई कमी नहीं है। इसी भावना का परिचय देते हुए सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर हरीश चंद्र जोशी, निवासी वसंत विहार, देहरादून एवं मूल निवासी जहरिखाल, पौड़ी गढ़वाल, ने मुख्यमंत्री राहत कोष में 10 लाख रुपये की धनराशि दान की। ब्रिगेडियर जोशी ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से भेंट कर चेक सौंपा। यह सहयोग पूर्व में आई दैवीय आपदाओं के दौरान राहत-बचाव कार्यों तथा आपदा से प्रभावित गरीब एवं वंचित बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका में सहायता के उद्देश्य से दिया गया है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि एक अनुभवी सैन्य अधिकारी होने के नाते ब्रिगेडियर जोशी की यह पहल राज्य और समाज के समग्र विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है तथा समाज के अन्य लोगों को भी सेवा और सहयोग के लिए प्रेरित करती है।इस अवसर पर ब्रिगेडियर एच. के. जोशी की पुत्री सुश्री शानू जोशी भी उपस्थित थीं।

प्रदेशभर के 13 और प्राथमिक विद्यालयों का होगा कायाकल्प : डॉ. धन सिंह रावत

- विद्यालय भवनों के पुनर्निर्माण व नये कक्षा-कक्षों के लिये 274 लाख स्वीकृत

- बेसिक स्कूलों में निर्माण कार्यों के लिये नामित की गई कार्यदायी संस्थाएं

देहरादून संवाददाता. प्राथमिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत प्रदेशभर के 13 और प्राथमिक विद्यालयों का कायाकल्प किया जायेगा। जर्जर हो चुके इन विद्यालय भवनों का पुनर्निर्माण किया जायेगा, साथ ही कुछ विद्यालयों में अतिरिक्त कक्षा-कक्ष निर्मित किये जायेंगे। जिसके लिये राज्य सरकार द्वारा 274 लाख की धनराशि स्वीकृत कर दी गई है। उक्त विद्यालयों में निर्माण व मरम्मत कार्यों के लिये कार्यदायी संस्था भी नामित कर दी गई है। विद्यालयों में निर्माण कार्य शीघ्र शुरू करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दे दिये गये हैं। सूबे के विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने मीडिया को जारी बयान में बताया कि राज्य सरकार शिक्षा व्यवस्था के सुध ार को लेकर खासी संजीदा है। खासकर प्राथमिक शिक्षा के सुदृढ़ीकरण पर सरकार का विशेष ध्यान है, ताकि प्राथमिक स्तर पर प्रदेश के नौनिहालों को बेहतर शैक्षणिक महौल के साथ ही उच्चकोटि की शिक्षा मिल सके। डॉ. रावत ने बताया कि सरकार प्राथमिक स्तर के विद्यालयों में बच्चों के लिये सभी भौतिक संसाधन उपलब्ध करा रही है साथ ही ऐसे विद्यालय जिनके भवन जर्जर या क्षतिग्रस्त हो चुके हैं उनका पुनर्निर्माण करा रही है। इसी कड़ी में प्रदेश के चार जनपदों देहरादून, पिथौरागढ़, रूद्रप्रयाग एवं टिहरी के 13 प्राथमिक विद्यालयों के पुनर्निर्माण, वृहद मरम्मत कार्य एवं अतिरिक्त कक्षा-कक्षाओं के लिये 274.20 लाख की धनराशि स्वीकृत कर दी है। शीघ्र ही उक्त राशि विद्यालयों को आवंटित कर दी जायेगी। उन्होंने बताया कि जनपद देहरादून में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय चान्दपुर में वृहद मरम्मत कार्य के लिये 10.80 लाख तथा राजकीय प्राथमिक विद्यालय सावड़ा में अतिरिक्त कक्षा-कक्ष के निर्माण के लिये 11.50 की लाख स्वीकृत दे दी है।

देहरादून की शांत फिजा को लगी किसकी नजर .. .. 3 दिन में दूसरा मर्डर

-जिम से निकलते हुए कारोबारी की गोली मारकर हत्या

देहरादून संवाददाता. राजधानी दून में अपराध का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। आज सुबह राजपुर रोड सिल्वर सिटी कंपलेक्स में जिम से बाहर निकलते समय एक युवक के सिर पर गोली मार दी गई। युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान विक्रम शर्मा के रूप में हुई है। जोकि प्रॉपर्टी और खनन से जुड़ा काम करता था। राजधानी देहरादून का सबसे व्यस्त और पॉश इलाका राजपुर रोड शनिवार को गोलियों की तड़तड़ाहट से थर्रा उठा। बदमाशों ने राजपुर रोड स्थित सिल्वर सिटी मॉल के पास जिम से बाहर निकल रहे स्टोन क्रेशर कारोबारी विक्रम शर्मा की बेरहमी से हत्या कर दी। शहर के बीचों-बीच हुई इस दुस्साहिक वारदात ने पुलिसिया चौकसी के दावों की हवा निकाल दी है। ताज्जुब की बात यह है कि कारोबारी खुद लाइसेंसी पिस्टल लेकर चल रहे थे, लेकिन हमलावरों ने उन्हें संभलने तक का मौका नहीं दिया। सहस्रधारा रोड स्थित ग्रीन व्यू निवासी विक्रम शर्मा काशीपुर में स्टोन क्रेशर का कारोबार करते थे। शनिवार सुबह वह रोज की तरह सिल्वर सिटी स्थित जिम में वर्कआउट करने आए थे। जैसे ही वह जिम से बाहर निकले, पहले से घात लगाकर बैठे हमलावरों ने उन पर हमला बोल दिया। वारदात को अंजाम देकर आरोपी मौके से फरार हो गए। आनन-फानन में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।लाइसेंसी पिस्टल भी नहीं आई काम: पुलिस जांच में सामने आया है कि सुरक्षा के मद्देनजर विक्रम शर्मा हमेशा अपनी लाइसेंसी पिस्टल अपने साथ रखते थे। वारदात के वक्त भी पिस्टल उनके पास ही थी, लेकिन बदमाशों ने इतनी तेजी और सटीक तरीके से हमला किया कि विक्रम को अपनी रक्षा में हथियार निकालने का समय ही नहीं मिला।मौके पर पहुंचीं पत्नी, एसएसपी ने संभाली कमान: घटना की जानकारी मिलते ही मृतक की पत्नी सोनिया शर्मा बदहवास हालत में मौके पर पहुंचीं। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। एसएसपी अजय सिंह ने घटनास्थल का मुआयना किया। बताया कि वारदात के हर पहलू की जांच की जा रही है। सिल्वर सिटी और आसपास के सभी सीसीटीवी कैमरों की फुटेज कब्जे में ले ली गई है। हमलावरों की तलाश में पुलिस की कई टीमें शहर के एग्जिट पॉइंट्स और संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक संजीव पंत द्वारा जेल रोड, हल्द्वानी, नैनीताल उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं चिराग पब्लिकेशन जेल रोड, हल्द्वानी नैनीताल से मुद्रित। सम्पादक - राजेश पंत
फोन नं0- 05946-254443 प्रसार प्रबंधकः वसीम अहमद , आर एन आई नं.: UTTHIN/2010/36647 email: jokhimhaldwani2013@gmail.com
ताज़ातरीन खबरों व सही जानकारी के साथ समाचार को विस्तार से पढ़ने के लिए लागआन करें हमारा newsportal:. jokhimnews.com